Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

149

महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत

डॉ ज्योति श्रीवास्तव

कुलसचिव साबरमती विश्वविद्यालय

अहमदाबाद, गुजरात

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः अर्थात जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है वहां देवताओं का वास होता है।

जी हां हमारे भारतीय संस्कृति में नारियों को जो है देवी का स्वरूप माना गया है नारी शक्ति वह शक्ति है इसके बगैर इस सृष्टि की कामना भी नहीं कर सकते और हमारी भारतीय धरती इसका मुख्य गवाह है कि जब भी इस सृष्टि का निर्माण हुआ है और हमारे देश की नारियों ने उसने उसने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जैसा कि आप और हम सब जानते हैं हमारे भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना जाता है जी हां एक महिला एक औरत चाहे तो पूरे देश और समाज का निर्माण कर सकती है।

उदाहरण के रूप में हम जयशंकर प्रसाद जी की इस पंक्ति को ले सकते है

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

"नारी तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास रजत नाग पग तल में

पीयूष श्रोत सी बहा करो जीवन के सुंदर समतल में"

जहां तक महिला सशक्तिकरण की बात होती है तो हमको नहीं भूलना चाहिए की 100 साल की गुलामी के बाद जो हमको आजादी मिली है, उसमें महिलाओं का योगदान महिलाओं का स्वाभिमान महिलाओं की शक्ति ने अपना शत प्रतिशत योगदान दिया है जिसके कारण हम आज स्वतंत्र रूप से जी रहे हैं उनके आत्म बल के बल पर हम लोग आज जो है आजादी का 75वां दिवस बहुत स्वाभिमान के साथ मना रहे हैं तो उनके त्याग और बलिदान का ही स्वरुप है कि हमारी आज की नारियां भी किसी से काम नहीं है चाहे वह अर्थशास्त्र के क्षेत्र में हो चाहे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो चाहे चिकित्सा के क्षेत्र में हो चाहे वह साहित्य के क्षेत्र में हो या काला के क्षेत्र में हो, हर जगह हमारे देश की नारियों ने अपने पांव पसारे हैं। और साबित करके दिखाया है की नारी किसी से पीछे ना रही है ना रहेगी इसके साथ ही साथ अभी जो हमारे पास सोचने का विषय है कि जो क्षेत्र जो हमारा वर्ग जो है विकास से पीछे रह चुका है जो अशिक्षित क्षेत्र है जो विकसित नहीं हुआ है जहां तक हमारे देश की नारियों के अंदर बहुत सी प्रतिभाएं छुपी हुई है जहां तक अभी हम पहुंच नहीं पाए हैं उनको कैसे विकास के दौर से जोड़ा जाए उनको उनके अंदर जो प्रतिभागी छुपी हुई है जो शिक्षा से वह कटी हुई है उनके अंदर जो कल का हुनर छुपा हुआ है जो कृषक वर्ग से जुड़ी हुई है जो आदिवासी क्षेत्र में है हम अगर देखते हैं भ्रमण करते हैं तो हम देखते हैं कि उनके अंदर बहुत सी प्रतिभाएं है और उनसे हम बहुत कुछ उनके माध्यम से हम लोग बहुत कुछ सीखते हैं जिसका एक मुख्य उदाहरण है कच्छ, गुजरात का कच्छ क्षेत्र जहां की महिलाओं ने अपने हुनर के बल पर नाम कमाया है, तो ऐसे ही प्रतिभाओं को हमको विकास की तरफ लाना है जिससे हमारा देश अपने

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

हुनर के लिए जाना जाए अपने कौशल्य के लिए जाना जाए और उस कौशल्य को विकसित करने में हमारे देश की नारियां अपना सबसे महत्वपूर्ण योगदान निभा सकती हैं और इसके लिए सबसे जरूरी है, कि हम अब विकसित होते जा रहे है अब जो काम है वह कि देश की नारियों को वहां की क्षेत्र विकसित की नारियों को जोड़ें और उसके साथ ही साथ उनको तकनीकी माध्यम से कैसे विकास की तरफ लाएं जिससे हमारा देश पूरे विश्व में विकास के पथ पर आगे बढ़े।